यश

बुन्देलखण्ड के गौरव

डॉ. नरेन्द्र अरजरिया

Scanned with OKEN Scanner

बुंदेलखंड के लोगों की शूरवीरता, जीवट और स्वाभिमान के लिए मर मिटने का स्वर्णिम इतिहास है। अपने पूर्वजों के इन संस्कारों की धरोहर यहां के लोग आज भी संजोये हैं। बुंदेली पत्रकारिता के नये नक्षत्र के रुप में डॉ. नरेन्द्र अरजरिया इस महान धरा के गौरव को जीवन्त बनाये रखने के लिए जो योगदान कर रहे हैं वह स्तुत्य है।

बुंदेलखंड की विभूतियों पर उनकी यह पुस्तक इसी शृंखला की एक उज्ज्वल कड़ी है। यह कृति अत्यंत संग्रहणीय है। संदर्भ के लिए भी इसकी अपनी महत्ता और उपयोगिता है। डॉ. नरेन्द्र को इस रचना के लिए बधाई और शुभकामनायें।

—के.पी. सिंह
वरिष्ठ पत्रकार, उरई बुंदेलखंड
मो. 8299660461

Scanned with OKEN Scanner

बुन्देलखण्ड के गौरव

01608

डॉ. नरेन्द्र अरजरिया

यश पब्लिकेशंस
नई दिल्ली, भारत

Scanned with OKEN Scanner

ISBN : 978-93-85647-04-8

प्रथम संस्करण : 2022

© डॉ. नरेन्द्र अरजरिया

मूल्य : ₹ 250/-

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक या लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश को, फोटोकॉपी एवं रिकार्डिंग सहित इलैक्ट्रॉनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्लिखित प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

प्रकाशक : यश पब्लिकेशंस
1/10753, सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा
दिल्ली-110 032 (भारत)

विक्रय कार्यालय
2/9, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002

संपर्क : 9599483887
ई-मेल : info@yashpublications.co.in
वेवसाइट : www.yashpublications.co.in

डिस्ट्रीब्यूटर : यश पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि.
Available at : Amazon.in, flipkart.com

लेज़र टाइपसेटिंग : जी.आर.एस. ग्राफिक्स, दिल्ली

मुद्रक : नागरी प्रिंटर्स, दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

समर्पित

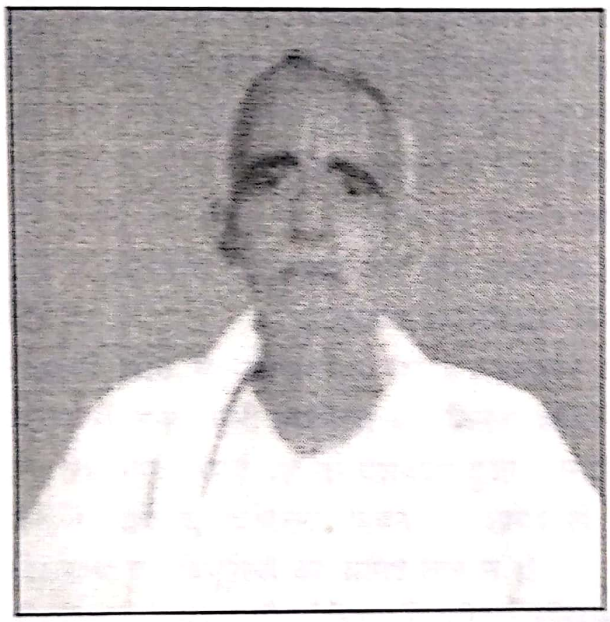

61608

पिता स्व. रामेश्वर प्रसाद अरजरिया (शिक्षक) को समर्पित

Scanned with OKEN Scanner

प्रस्तावना

कृतज्ञ राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्व मना रहा है, कृतज्ञता इन वीर शहीदो के प्रति, जिनकी कुर्बानियों ने हमें स्वंतत्रता का सूरज दिखाया। कृतज्ञता उन राष्ट्र निर्माताओं को जिनके समपर्ण से देश प्रगति और विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। बुंदेलखण्ड की विभूतियों पर केन्द्रित यह पुस्तक भी कृतज्ञता स्वरूप ही है। नमन और स्मरण उन विभूतियों का जिनकी प्रेरणा और परिश्रम से बुंदेलखण्ड रोशन हुआ और राष्ट्र आलोकित हुआ।

बुंदेलखण्ड का इतिहास गौरवशाली रहा है, वीरो की भूमि बुंदेलखण्ड सदैव से महिमानवित रहा है। इतिहास के अलग-अलग कालखण्डों में बुंदेलखण्ड में अनेक ऐसी विभूतियां हुई, जिनके व्यक्तित्व और कृतित्व से न केवल बुंदेलखण्ड का अपितु संपूर्ण देश का यशवर्धन हुआ । साहित्य, पत्रकारिता, कला, संस्कृति, राजनीति, अर्थतंत्र, चिकित्सा, गायन .... शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र अवशेष हो, जहां बुंदेलखण्ड की विभूतियों की अमिट छाप न हो।

यह पुस्तक बुंदेलखण्ड की समृद्व और वैविद्वय से परिपूर्ण इतिहास की झलक है, एक प्रेरणा है, एक अनुभूति है, जिसे आज की युवा पीढ़ी को सौपना आवश्यक है। हमारी युवा पीढ़ी को अपने सुनहरे अतीत और गौरवशाली वर्तमान से परिचित होना ही चाहिए। सीमित पृष्ठो में असीमित योगदान की चर्चा करना चुनौतीपूर्ण है। डॉ. नरेन्द्र अरजरिया ने इस श्रमसाध्य कार्य को अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता से संभव बनाया है। विश्वास है कि इस कृति के माध्यम से हम बुंदेलखण्ड की विभूतियों का न सिर्फ पूर्ण स्मरण कर सकेगें वल्कि स्वयं पर गर्व के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी लेगें।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार व्यास
विभागाध्यक्ष-पत्रकारिता एवं जनसंचार
महात्मागांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट
जिला- सतना (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

प्रस्तावना		7
1.	संगीत, चिकित्सा और इतिहासकार	11
2.	साहित्यकार, शिक्षाविद, समाजसेवी और कवि	23
3.	राजनैतिक, फिल्म और मनोरंजन	59
4.	पत्रकारिता एवं अन्य	72

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. नरेन्द्र अरजरिया

आंचलिक पत्रकार के तौर पर वर्ष 1993 में मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले से पत्रकारिता प्रारंभ करने वाले डॉ. नरेन्द्र अरजरिया ने विभिन्न समाचार पत्रों से लेकर पत्र पत्रिकाओं में काम करने के बाद वर्तमान में टेलीवीजन में स्ट्रिंगर के तौर पर काम कर रहे हैं टीकमगढ़ में 23 जुलाई 2003 से आज तक सहारा समय मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ न्यूज चैनल में कार्यरत हैं।

जन्म : 30 जनवरी 1973, सरसेड जिला छतरपुर मध्यप्रदेश

शिक्षा : स्नातक (अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा), स्नात्कोत्तर (पत्रकारिता एवं जनसंचार डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर), स्नात्कोत्तर (ग्रामीण विकास महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट मध्यप्रदेश), पीएचडी बुन्देलखंड की आचंलिक पत्रकारिता में स्थानीय पत्रकारों का योगदान (महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट मध्यप्रदेश)।

अनुभव : वर्ष 1993 में दैनिक देशबंधु सतना साप्ताहिक नूतन सबेरा मुंबई से अपने कैरियर की शुरूआत करने वाले डॉ. नरेन्द्र अरजरिया ने वर्ष 1995-96 में पत्रकारिता की बैचलर डिग्री हासिल की इसके बाद वह दिल्ली से प्रकाशित जनसत्ता, दैनिक जागरण में इंटर्नशिप की, इसके बाद झांसी से प्रकाशित दैनिक अमर उजाला को ज्वाइन किया, अल्प समय के लिए छतरपुर से प्रकाशित दैनिक शुभभारत में उपसंपादक के पद पर कार्य किया इसी दौरान राष्ट्रीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं में आलेख प्रकाशित होते रहे। वर्ष 2002 में उत्तरप्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में सी-वोटर के लिए सर्वे का कार्य किया।23 जुलाई 2003 में टीकमगढ़ जिले के लिए स्ट्रिंगर के तौर पर कार्य करना शुरू किया जो वर्तमान में जारी है।

चर्चित प्रोग्राम : सहारा समय मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ न्यूज चैनल पर घांस की रोटी, बुन्देलखंड और बंदूक, दुल्हन के दलाल, पान का मान, इच्छाधारी नागिन, विरासत की व्यथा, सरहद में बटे राम, बुन्देलखंड में पलायन की त्रासदी चर्चित प्रोग्राम रहे हैं।

सम्मान : 1. गोपाल भाई स्मृति सम्मान (2018) जिला प्रेस क्लब महोबा उत्तर प्रदेश, 2. पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी सम्मान (2019) जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश टीकमगढ़ 3. शब्द ऋषि सम्मान (2022, नोबल पुरूस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों) स्टेट प्रेस क्लब इंदौर मध्य प्रदेश।

पुस्तकें : 1-शिवधाम सरसेड (सन् 2015-16), 2. मां कालका (सन् 2017-18), 3. कोरोना, राजनीति, पलायन और मीडिया (विद्या प्रकाशन कानपुर सन् 2021-22), 4. स्ट्रिंगर (यश पब्लिकेशन दिल्ली सन् 2021-22)

संपर्क : मंडी रोड, गणेशपुरम कॉलोनी, फेस-02 टीकमगढ़, मध्यप्रदेश, पिन-472001

ई-मेल - n.arjariya@gmail.com

G1608

यश

यश पब्लिकेशंस, दिल्ली

1/10753, गली नं. 3, सुभाष पार्क,
नवीन शाहदरा दिल्ली-32

लघु उपन्यास

ISBN 978-93-85647-04-8

9 789385 647048

www.yashpublications.com

आवरण परिकल्पना : यश स्टूडियो